Under CSR Support by ipca | Foundation

RIICO | missiongyan

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-11वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

इतिहास

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं

वास्तुकला



Chapter 05 || Part -03

20 अगस्त 2026 || 03:00 PM

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

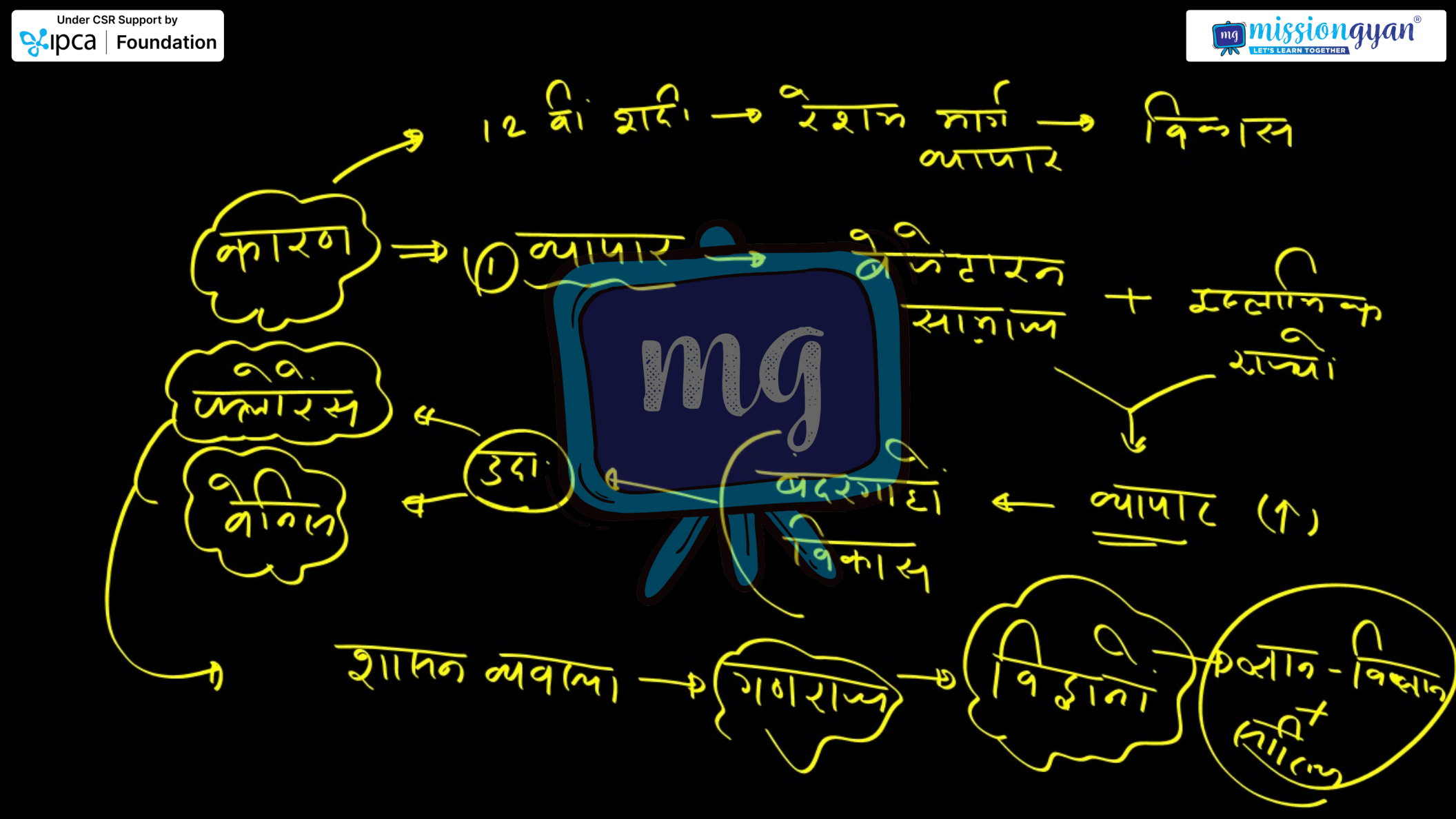
रेनेसाँ
↓
यूरोप →

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. यूरोप में विज्ञान, दर्शन और कला का विकास
2. कलाकार और यथार्थवाद

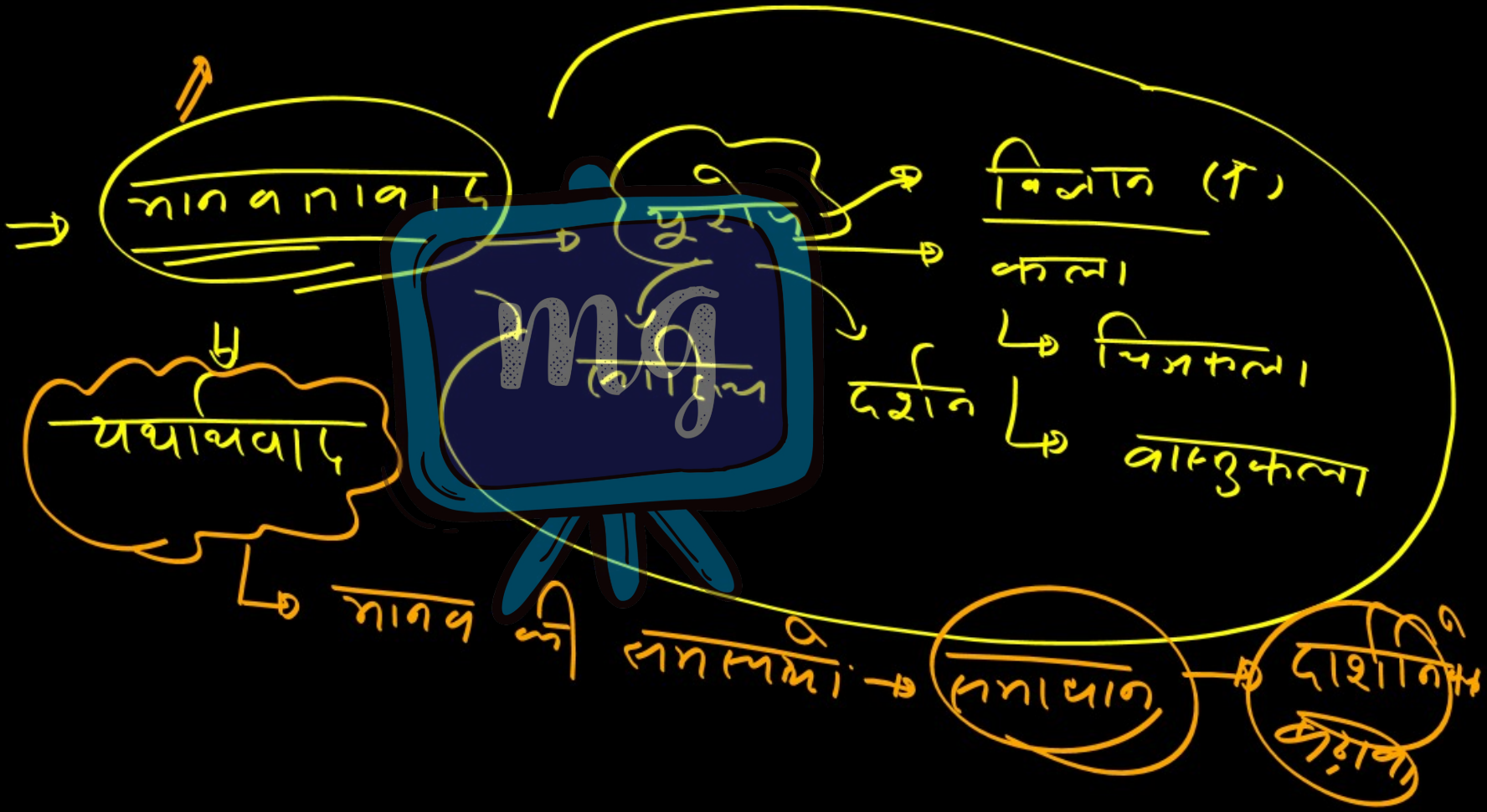
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



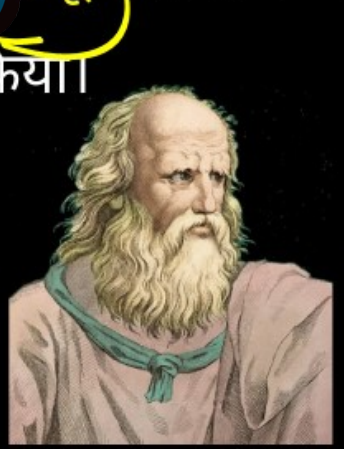
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यूरोप में विज्ञान, दर्शन और कला का विकास

विज्ञान और दर्शन-अरबीयों का योगदान

- चौदहवीं शताब्दी में अनेक विद्वानों ने प्लेटो और अरस्तू के ग्रंथों के अनुवादों को पढ़ना शुरू किया।

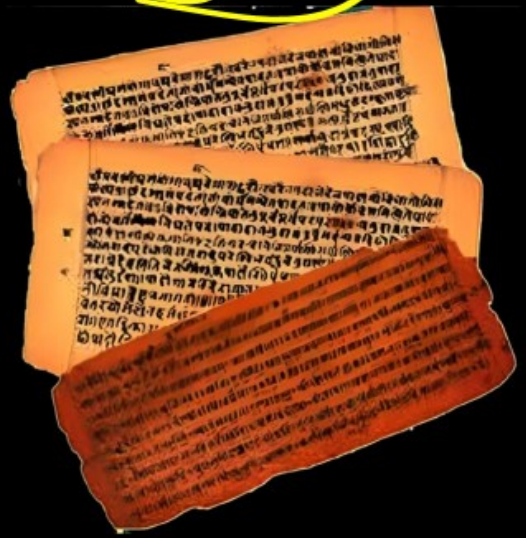




Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

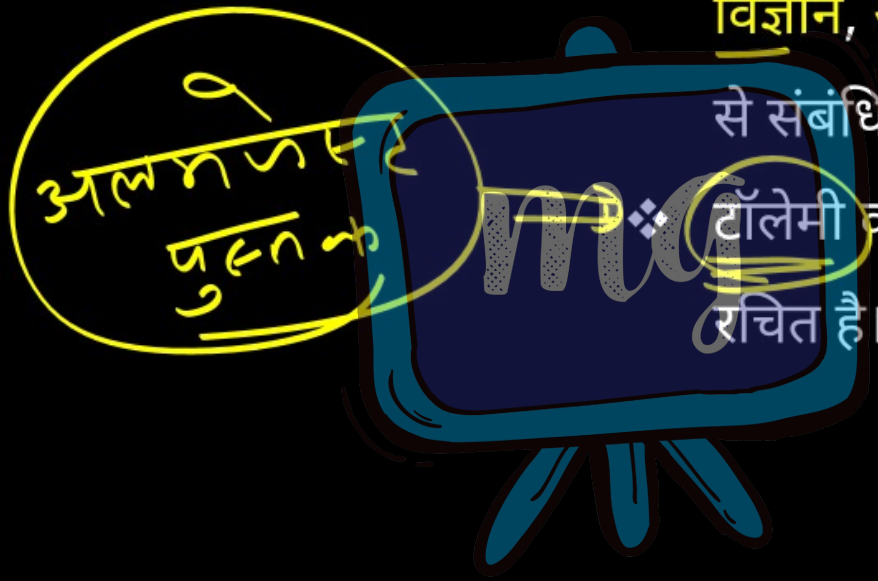
- अरबी भाषा में प्लेटो, अफलातून और एरिसटोटिल, अरस्तू नाम से जाने जाते थे।
- इसके लिए वे अरब के अनुवादकों के ऋणी थे।
- उन्होंने अतीत की पांडुलिपियों का अनुवाद किया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



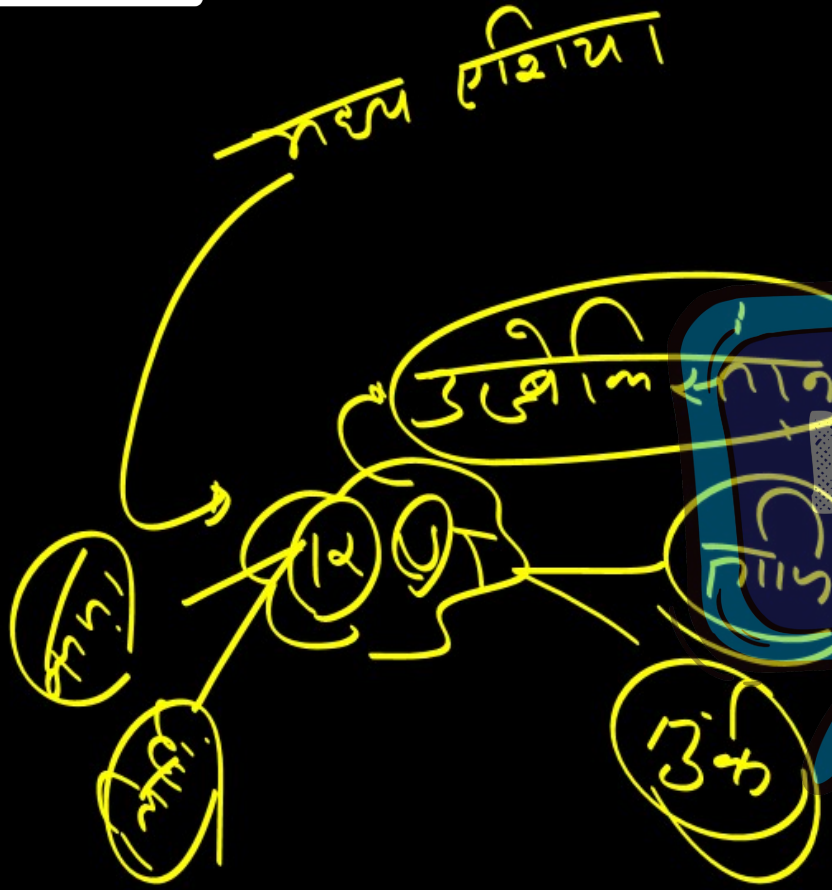


- ये ग्रंथ प्राकृतिक विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, औषधि विज्ञान और रसायन विज्ञान से संबंधित थे।
- टॉलेमी का अलमजेस्ट ग्रंथ खगोल शास्त्र पर रचित है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मुसलमान लेखकों में अरबी के हकीम और मध्य एशिया के बुखारा के दार्शनिक इब्न-सिना और आयुर्विज्ञान विश्वकोश के लेखक अल-राजी सम्मिलित थे।
- स्पेन के अरबी दर्शानिक इब्न रूश्द (1126-98) ने दार्शनिक ज्ञान (फैलसुफ़) और धार्मिक विश्वासों के बीच रहे तनावों को सुलझाने की चेष्टा की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

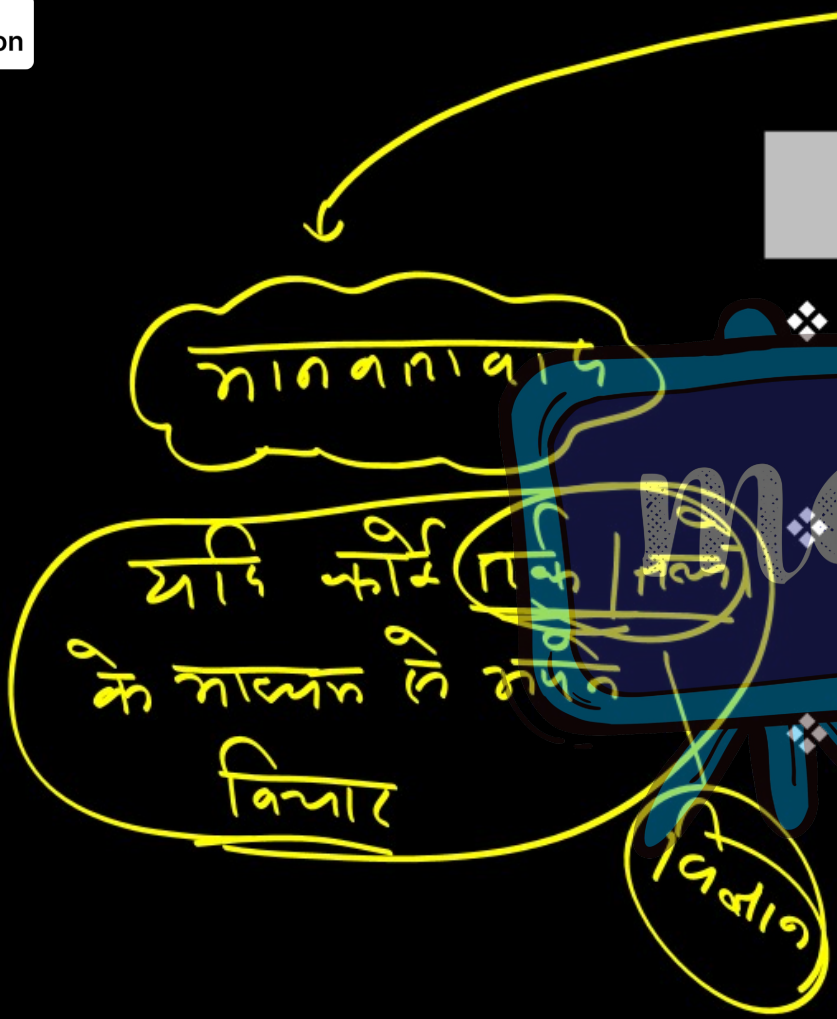


- उनकी पद्धति को ईसाई चिंतकों द्वारा अपनाया गया।
- मानवतावादी अपनी बात लोगों तक तरह-तरह से पहुँचाने लगे।
- मानवतावादी विषय धीरे-धीरे स्कूलों में पढ़ाया जाने लगा।
- यह सिर्फ इटली में ही नहीं बल्कि यूरोप के अन्य देशों में भी हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

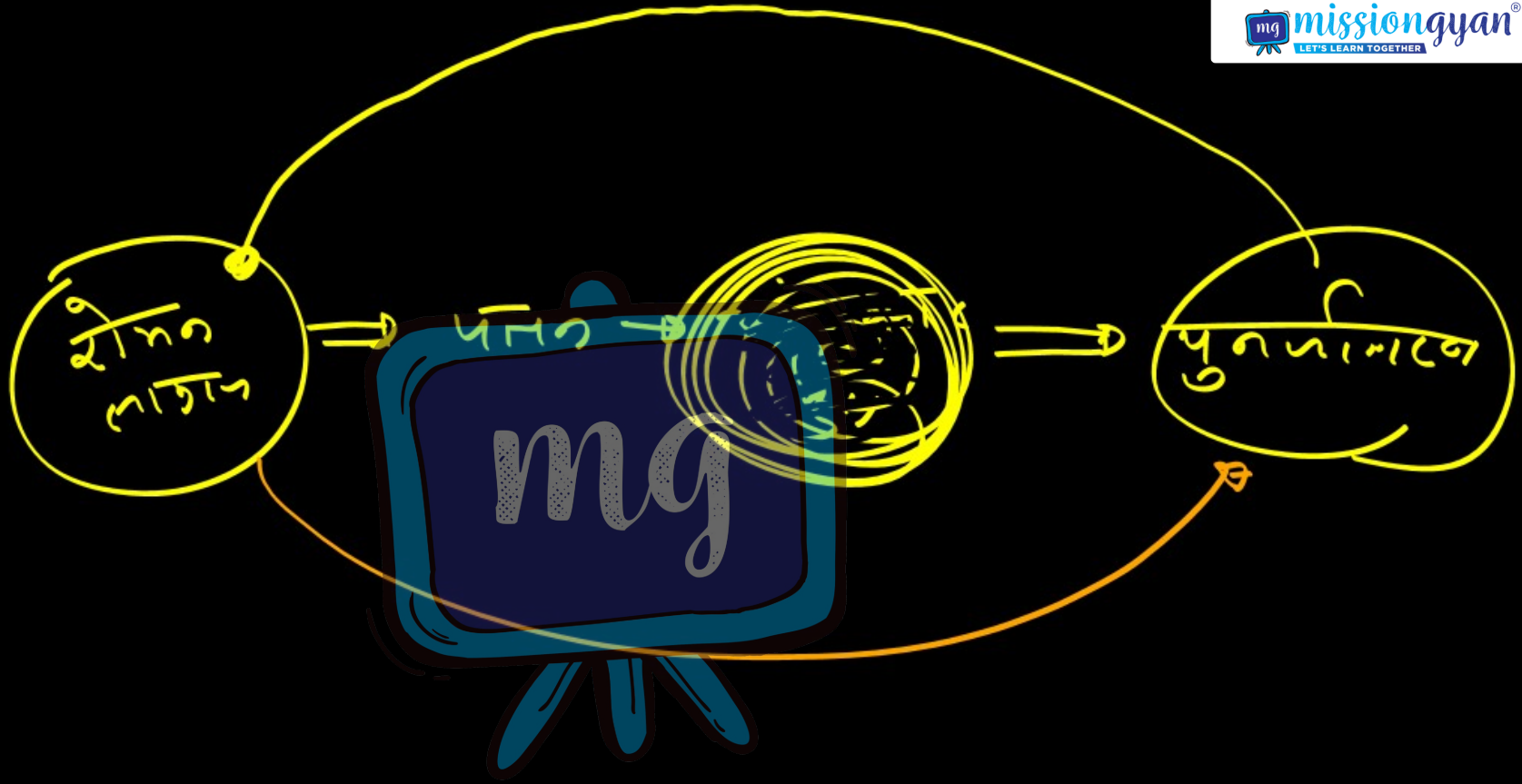
कलाकार और यथार्थवाद



- कला, वास्तुकला और ग्रंथों ने मानवतावादी विचारों को फैलाने में प्रभावी भूमिका निभाई।
- प्राचीन रोम और उसके उजाड़ नगरों के खंडहरों में अनेक कलात्मक वस्तुएँ मिलीं।
- 1416 में दोनातल्लो (1386-1466) ने सजीव मूर्तियाँ बनाकर नयी परंपरा कायम की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कलाकारों द्वारा हूबहू मूल आकृति जैसी मूर्तियों को बनाने की चाह को वैज्ञानिकों के कार्यों से सहायता मिली।
- नर कंकालों का अध्ययन करने के लिए कलाकार आयुर्विज्ञान कॉलेजों की प्रयोगशालाओं में गए।
- बेल्जियम मूल के आन्ड्रीयस वेसेलियस (1514-64) पादुआ विश्वविद्यालय में आयुर्विज्ञान के प्राध्यापक थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ये पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सूक्ष्म परीक्षण के लिए मनुष्य के शरीर की चीर-फाड़ की।
- इसी समय से आधुनिक शरीर-क्रिया विज्ञान का प्रारंभ हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

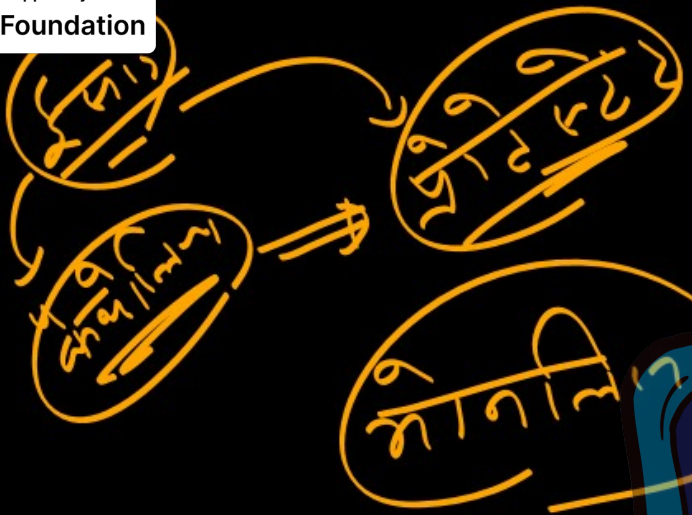
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ 'दि पाइटा' चित्र में माइकेल एन्जिलो ने मेरी को ईसा के शरीर को धारण करते हुए दिखाया है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- लियोनार्डो दा विन्ची (1452-1519) ने मोना लीसा और द लास्ट सपर चित्रों की रचना की।
- उन्होंने एक उड़न-मशीन का प्रतिरूप बनाया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने अपना नाम 'लियोनार्डो दा विन्ची, 'परीक्षण का अनुयायी' रखा।
- चित्रकारों ने मूर्तिकारों की तरह यथार्थ चित्र बनाने की कोशिश की।
- उन्हें अब रेखागणित और त्रि-आयामी का ज्ञान हो चूका था।
- लेप चित्र के लिए तेल के प्रयोग ने चित्रों को अधिक रंगीन और चटख बनाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- शरीर विज्ञान, रेखागणित, भौतिकी और सौंदर्य की उत्कृष्ट भावना ने इतालवी कला को नया रूप दिया
- इसे बाद में 'यथार्थवाद' कहा गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वास्तुकला

- पंद्रहवीं शताब्दी में रोम नगर भव्य रूप से पुनर्जीवित हो उठा।
- पुरातत्त्वविदों द्वारा रोम के अवशेषों का सावधानी से उत्खनन किया गया।
- इसने वास्तुकला की एक 'नयी शैली' को प्रोत्साहित किया।
- जो वास्तव में रोम साम्राज्य कालीन शैली का पुनरूद्धार थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जिसे अब 'शास्त्रीय शैली' कहा गया।
- शास्त्रीय वास्तुकला से परिचित वास्तुविदों को पोप, धनी व्यापारियों और अभिजात वर्ग के लोगों ने नियुक्त किया।
- इस काल में कुछ ऐसे भी लोग हुए जो कुशल चित्रकार, मूर्तिकार और वास्तुकार, सभी कुछ थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- माईकल ऐंजेलो बुआनारोत्ती (1475-1564) ने पोप के सिस्टीन चैपल की भीतरी छत में लेपचित्र, 'दि पाइटा' नामक प्रतिमा, और सेंट पीटर गिरजे के गुम्बद का डिजाइन बनाया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वास्तुकार फिलिप्पो ब्रूनेलेशी (1337-1446) ने फ़्लोरेंस के भव्य गुम्बद का परिरूप प्रस्तुत किया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सन् 1455 में जर्मन मूल के जोहानेस गूटेनबर्ग (1400-58) ने पहले छापेखाने का निर्माण किया।
- उनकी कार्यशाला में बाईबल की 150 प्रतियाँ छपीं।
- इससे लोगों में पढ़ने की आदत का विकास हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियाँ	
1300	इटली के पादुआ विश्वविद्यालय में मानवतावाद पढ़ाया जाने लगा
1341	पेट्रार्क को रोम में 'राजकवि' की उपाधि से सम्मानित किया गया
1349	फ्लोरेंस में विश्वविद्यालय की स्थापना
1390	जेफ्री चॉसर की 'केन्टरबरी टेल्स' का प्रकाशन
1436	ब्रुनेलेशी ने फ्लोरेंस में ड्यूमा का परिरूप तैयार किया
1453	कुंस्तुनतुनिया के बाइजेंटाइन शासक को ऑटोमन तुर्कों ने पराजित किया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियाँ	
1454	गुटेनबर्ग ने विभाज्य टाइप से बाईबल का प्रकाशन किया
1484	पुर्तगाली गणितज्ञों ने सूर्य का अध्ययन कर अक्षांश की गणना की
1492	कोलम्बस अमरीका पहुँचे
1495	लियोनाडों द विंची ने 'द लास्ट सपर' (अंतिमभोज) चित्र बनाया
1512	माइकल एन्जिलो ने सिस्टीन चैपल की छत पर चित्र बनाए

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

